गुरु नानक – सबद १

ੴ सति नामु करता पुरखु निरभउ निरवैरु अकाल मूरति अजूनी सैभं गुर प्रसादि ॥

मूलमंतर, गुरु नानक, गुरु ग्रंथ साहिब, १

ੴ सति नामु करता पुरखु निरभउ निरवैरु अकाल मूरति अजूनी सैभं गुर प्रसादि ॥

सार: 'मूल मंतर' गुरु नानक की एकता की भावना का इज़हार है जो उनके सिद्धान्त के मूल स्वरुप को दर्शाता है । यह आध्यात्मिक और सामाजिक विकास के लिए सम्पूर्ण जगत की विशालता को समाहित करने वाली एक संक्षेप रचना है। गुरु ग्रंथ साहिब में सम्मिलित विभिन्न आध्यात्मिक गुरुओं की वाणी 'मूल मंतर' की ही विस्तारिक व्याख्या देती है। 'मूल' का अर्थ है मौलिक। 'मंतर' में दो शब्द शामिल हैं: 'मन', जिसका अर्थ है मन, और 'तर', जिसका अर्थ है साधन । 'मूल मंतर' को गहरी चिंतनशीलता के लिए एक उपयोगी साधन के रूप में संक्षेपित किया जा सकता है। यह मन को उस जागरूकता के शिखर तक पहुंचने के लिए प्रेरित करता है जो संपूर्ण रचना को एक प्रक्रिया के रूप में पहचानता है। 'मूल मंतर' के आरंभिक शब्द गुरु नानक के दर्शन की अखंडता का प्राथमिक उदाहरण देते हैं, ये तत्व कि सभी जीवन रूपों की बुन्याद एक ही सर्वव्यापी ऊर्जा है जो प्रकृति में अनेक रूपों में अपनी उपस्थिति को ज़ाहिर करती है । यह अदृश्य सर्वव्यापी ऊर्जा की मौजूदगी की पुष्टि करता है, जिसे चेतना भी कहा जाता है। यह ऊर्जा सृजन के रूप में उभरती है, कुछ समय तक क़ायम रहती है और फिर बिखर कर अपने में ही मिल जाती है। यह पानी के स्वरुप की तरह है जो वाष्पित हो बादल का रूप लेकर, बारिश की बूंदों में बदल कर, वापस पानी बन कर पानी में मिल जाता है ताकि सृष्टि विकास कर सके।

ੴ

इक (एक), ओंन (तिकड़ी), कार (इज़हार)

सृष्टि के स्रोत की एकता, अदृश्य कायनाती ऊर्जा, 'ओन'+'कार' से पहले लगाए गए अंक 'एक' माने एक के माध्यम से प्रकट की गई है। शब्दांश 'ओन', जीवन रचना के अस्तित्व की तीन क्रियाओं का प्रतिनिधित्व करता है - सृजन, निर्वाह और विनाश जिसे ईश्वरिये सिद्धांत के रूप में जाना जाता है। 'कार' शब्द 'आकार' से बना है, जिसका अर्थ है एक रूप, जो कायनात की अदृश्य एक स्रोत को

सृष्टि में अलग अलग रूपों में दर्शाता है। परम् सच् यह है कि सब का एक ही असल स्रोत है, जो कायनात में अपनी उपस्थिति की अभिव्यक्ति विविध रूपों में यानि कई रंग की बग़िया की तरह से करता है।

सति नामु
सति (सच), नामु (चेतना)

अस्तित्व की मुख्य धारणा एक अदृश्य, सर्वव्यापी जागरूकता है; इकाई जो नज़ारे और उसके देखने वाले के अंदर पूरी तरह फैली हुई है। अस्तित्व का यह सच निरंतर ध्यान के माध्यम से उजागर होता है।

करता पुरखु
करता (सृजक या ख़ालिक़), पुरखु (मूल धातु)

प्रकृति में सभी क्रिया अदृश्य कायनाती ऊर्जा से ही होती हैं, जो एक ही स्रोत की सृष्टि निर्माण करने वाली हस्ती है, और अलग अलग रूपों में सम्मिलित करने वाली इकाई है।

निरभउ
निर (रहित), भउ (भय)

पूरी सृष्टि में रहने वाली एकमात्र इकाई के तौर पर अदृश्य, सर्वव्यापी ऊर्जा की मौजूदगी की पहचान, अज्ञातता और अन्यता के सिद्धांत से निर्भयता पैदा करती है।

निरवैरु
निर (बिना) वैरु (भेदभाव)

विविधता में एकता ही पूरा सच है; पूरी सृष्टि अदृश्य, सर्वव्यापी ऊर्जा के ज़रिए से जुड़ी हुई है; यह इकाई किसी को अजनबी नहीं मानती और हर तरह के भेदभाव से रहित है।

अकाल मूरति

अकाल (अनंत), मूरति (स्वरूप)

समय का निरंतर चलना और परिवर्तन होना निश्चित है और प्रकृति में स्थिर हैं। यह अदृश्य सर्वव्यापी ऊर्जा, की अनंतता की वास्तविकता को प्रस्तुत करती है जो प्रकृति में विविध रूपों में निर्मित, पोषित, खंडित और पुनर्जीवित होती है।

अजूनी

अ (परे), जूनी (जन्म और मृत्यु)।

जन्म आरंभ है और मृत्यु अंत है। अतीत एक स्मृति है, भविष्य अनजान, अज्ञात है । यह वर्तमान है जहां जीवन जन्म और मृत्यु से परे अदृश्य, सर्वव्यापी ऊर्जा से जुड़कर उसके अनंत स्वरुप को उजागर करने के लिए बहता है।

सैभं

सै (स्वयं), भं (अस्तित्व)

आत्म-साक्षात्कार की सचेतना आत्म-बोध या अस्तित्व की सच्चाई को उजागर करती है। यह अदृश्य, सर्वव्यापी ऊर्जा के शांत, मगर गतिशील गुण हैं जो अपने आप प्रकट होते हैं, कायम रहते हैं या बिखर जाते हैं।

गुर प्रसादि ॥

गुर (विवेक), प्रसाद (अनुग्रह)

अदृश्य, सर्वव्यापी ऊर्जा की उपस्थिति का आभास करने के लिए, प्रकृति के अलग अलग रूप के साथ संवाद, अनुभवात्मक ज्ञान देती है। यह सर्वव्यापी ऊर्जा की पूरी सृष्टि में सर्वव्यापकता को साकार करने और पहचानने में मदद देती है।

तत्त्व: गुरु नानक कहते हैं कि एकता केवल एक अनुभव नहीं है बल्कि अस्तित्व की एक बेदाग स्थिति है। दोहरेपन में डूबी हुई अज्ञानता, विभाजन पैदा करती है; मोक्ष पर केंद्रित बुद्धि, विद्या की तलाश करती है, इकाई में स्थित जागरूकता अनेकता में एकता प्राप्त करती है।

सबद व्याख्या **विनइंदर कौर** और **अमरदीप सिंह**

Oneness In Diversity Research Foundation

वेबसाइट: OnenessInDiversity.com

ईमेल: onenessindiversityfoundation@gmail.com